दिनांक 26 मार्च 2021 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र की तृतीय वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रशिक्षण कक्ष में आयोजित की गयी । बैठक की अध्यक्षता प्रो. यू. पी. सिंह, उपाध्यक्ष, गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान तथा सदस्य सचिव के रूप में डॉ संदीप कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र तथा सदस्य के रूप में डॉ. रंजीत सिंह, डॉ. पी. के. सिंह, श्री अरुण कुमार तिवारी, जिला उद्यान अधिकारी गोरखपुर, श्री दिनेश कुमार निषाद, प्रधान रानाहडीह केन्द्र पर एवं डॉ. अतर सिंह, निदेशक, आई.सी.ए.आर – अटारी कानपुर, डॉ. राघवेन्द्र सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, आई.सी.ए.आर. – अटारी, कानपुर, डॉ. साधना पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक, आई.सी. ए. आर. – अटारी, कानपुर, आनलाईन जूम ऐप द्वारा इस बैठक में सम्मिलित हुए । इस तृतीय बैठक में सदस्य सचिव डॉ. संदीप कुमार सिंह द्वारा मार्च 2020 से फरवरी 2021 की प्रगति प्रतिवेदन एवं जनवरी 2021 से दिसम्बर 2021 की कार्ययोजना प्रस्तुत की गयी । जनपद में कृषकों की आय बढ़ाने हेतु नवीनतम कृषि तकनीकी के प्रचार-प्रसार हेतु निम्नलिखित सुझाव अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यों के द्वारा दिए गए।

1. डॉ. अतर सिंह, निदेशक,भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान, संस्थान (अटारी) कानपुर –

- रिवाल्विंग फंड का डाटा सत्रवार देना चाहिए ।
- मृदा जाँच का डाटा एवं किसान उस पर क्या कर रहा है उसका एनालिसिस करना चाहिए ।

2. डॉ. राघवेन्द्र सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान, संस्थान (अटारी) कानपुर

- प्रक्षेत्र परीक्षण और अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन में फोटो के साथ फसल एवं प्रजातियों का नाम भी अंकित करें।
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार अभियान योजना के अनतर्गत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम से कितने किसानों ने कृषि उद्यमों को अपनाया है उसकी संख्या दर्शायी जाये ।
- किसानों की समस्या को चिन्हित करने के उपरान्त ही प्रक्षेत्र परीक्षण किया जाय ।
- उद्यान विषय के अन्तर्गत प्रक्षेत्र परीक्षण के अन्तर्गत कृषक से पता कर उनकी आवश्यकतानुसार अगेती या पछेती प्रजाति को शामिल करें प्रक्षेत्र परीक्षण तैयार करें ।
- चने की फसल में जैव उर्वरक का प्रक्षेत्र परीक्षण जो किया गया है उसका अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कराया जाय ।

- प्रक्षेत्र परीक्षण के अन्तर्गत अजोला को हरे चारे के रुप में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन किसानों के खेत पर किया जाय ।
- प्रक्षेत्र परीक्षण के अन्तर्गत संस्तुत की गयी तकनीकी किस संस्थान से विकसीत की गयी है संस्थान का नाम दिया जाय एवं आई.सी.ए.आर. द्वारा संस्तुत तकनीकों को प्रक्षेत्र परीक्षण में शामिल किया जाय ।

3. डॉ साधना पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान, संस्थान (अटारी) कानपुर
   - गृह वाटिका पर वर्ष भर का अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन तैयार कर कृषि विज्ञान के प्रक्षेत्र पर एवं 20 कृषकों के प्रक्षेत्र पर प्रदर्शन करायें ।
4. डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्रभारी, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर
   - किसानों के प्रक्षेत्र पर किये गये कार्य में गाँव का नाम एवं कृषकों की संख्या लिखा जाय ।
5. डॉ. पी. के. सिंह
   - मचान विधि से खेती में, मचान के किनारे अरवी, बन्डा, सूरन, हल्दी इत्यादि की खेती कृषक प्रक्षेत्र पर भी लगायें ।
   - शकरकन्द का प्रयोग चिप्स के साथ – साथ हलवा, गुलाब जामुन, पूड़ी इत्यादि के लिए भी शामिल किया जाय ।
   - अमरुद के साथ सूरन की सहफसली खेती को प्रोत्साहित किया जाय ।

6. श्री वीरेन्द्र कुमार चौधरी, उद्यान विभाग, गोरखपुर
   - कृषि विज्ञान केन्द्र से किसानों को तकनीकि जानकारी मिल रही है। केले की खेती के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किसानों को टिश्यू कल्चर पौध उपलब्ध कराने के लिए कहा ।
7. श्री अमित दूबे, गन्ना विकास विभाग, गोरखपुर,
   - श्री अमित दूबे ने गन्ना उत्पादन हेतु नवीनतम प्रजातियों के प्रचार प्रसार करने का सुझाव दिया
8. डॉ. रंजीत सिंह, गोरखपुर
   - कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र पर उत्तर पूर्वी जोन के लिए संस्तुत प्रजातियों को पहले लगाये एवं मूल्यांकन उपरांत उसे प्रदर्शन में कृषक प्रक्षेत्र पर लगायें ।
   - वर्कशाप / समर विन्टर स्कूल / शार्ट टर्म कोर्स एवं भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों में ज्ञानवर्धन के लिए विषय वस्तु विशेषज्ञों को भेजा जाय ।

9. श्री नवीन कुमार, डी. डी. एम. नाबार्ड, गोरखपुर
    - किसानों के लिए सेमिनार / वेबीनार के आयोजन हेतु नाबार्ड को भेजे।
    - किसान उत्पादन संगठन के निदेशक मंडल एवं अंशधारकों को प्रशिक्षण दिया जाय।

10. डॉ० अतर सिंह,निदेशक,भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान, संस्थान (अटारी) कानपुर।

- डॉ. सिंह ने सभी को सम्बोधित करते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रयासों की सराहना की और कृषि में विविधीकरण पर जोर दिया गया।
- निदेशक महोदय ने कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों को 10 विकास खण्डों में कार्य करने के लिए कहा गया।